GENERAL STUDIES (Module – 2)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–GS12

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Devendra Prakash Meena **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** _____

Center & Date: 22/06/19 **UPSC Roll No.** ***(If allotted)*:** _____

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें तेरह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **THIRTEEN** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		7 (a)	
1 (b)		7 (b)	
2 (a)		7 (c)	
2 (b)		8	
3 (a)		9	
3 (b)		10	
4 (a)		11	
4 (b)		12	
5		13	
6			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

खंड - क/ SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. (a) "लोक सेवा कल्याणकारी राज्य का मूल उद्देश्य है।" इस कथन के संदर्भ में उन 'लोक सेवा मूल्यों' का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिये, जिनकी सभी लोक सेवकों को आकांक्षा करनी चाहिये। (150 शब्द) 10

"Public service is the basic objective of the welfare state". In the context of this statement, enumerate 'Public Service Values' towards which all public servants should aspire. (150 words) 10

कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का मुख्य तत्व है- राष्ट्र के लोगो की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना।

इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए लोक सेवको की नियुक्ति की जाती है। ये लोक सेवक प्रभावी तभी हो सकते है जब उनमें निम्नलिखित गुणों की उपस्थिति हो -

→ सत्यनिष्ठा - अपने गुणों तथा व्यवहार में एकरूपता रखना ताकि सामाजिक दायित्व की पूर्ति को प्राथमिकता के रूप में निर्धारित किया जा सके।

→ जवाबदेहिता - किसी कार्य को किस लिए जिस जनता के लिए किया जा रहा. वह उसके पूर्ति तो जवाबदेह हो ही. साथ ही संविधान, कानून आदि के प्रति भी जवाबदेह हो।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ (iii) सहानुभूति - यह ऐसा गुण है, जो सिविल सेवक को जनता के दुःख को समझने तथा उसे दूर करने की प्रेरणा देता है।

→ संवेदनशीलता - पिछड़े वर्गों के प्रति संवेदनशीलता की भावना ही, एक प्रेरक तत्व है।

→ दृढ़ता - सिविल सेवा के समक्ष आने वाली चुनौतियों से डटकर मुकाबला करना तथा उन्हें दूर कर जनता की सेवा करना ही, सिविल सेवक का गुण है।

इसके अतिरिक्त सिविल सेवकों को गांधी के विचार - "जिसकी सेवा तुम करने जा रहे हो, क्या यह कदम उसके लिए कल्याणकारी है।" से परिचित कराया जाना आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) शासन में शुचिता को सुनिश्चित करने हेतु 'आपराधिक न्याय प्रणाली' को सुदृढ़ता प्रदान करना सबसे आवश्यक है। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Strengthening of the 'Criminal Justice System' is one of the most important requisites for ensuring probity in governance. Analyse. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रशासन में भ्रष्टाचार का न होना तभी संभव है, जब भ्रष्ट व्यक्तियों के खिलाफ त्वरित कार्यवाही होती हो।

'निर्णय आने में देरी' तथ्यों को तोड़-मरोड़ने में मदद कर सकती है, जिससे भ्रष्ट-व्यक्ति पुनः सुरक्षा प्राप्त कर सकता है। अतः आवश्यक है कि न्यायप्रणाली सुदृढ़ हो।

जब तक दोषी को दण्ड का भय नहीं होगा, तब तक वह दोष करने की प्रवृत्ति से मुक्त रहेगा। अतः सुदृढ़ प्रणाली द्वारा उसे दण्ड का भय उत्पन्न कराकर शासन में भ्रष्टाचार का विलोप किया जा सकता है।

सबसे आवश्यक चीज यह है कि जब तक निर्णय नहीं आता तब तक व्यक्ति विधि निर्माण, क्रिया-वयन आदि कार्यों से पृथक रहता है, ऐसे में शुचिता बनाये रखना संभव

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

नहीं हो पाता।

अतः भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम का कठोरता पूर्वक पालन कर तथा लंबित मामलों का तीव्र निपटान कर शुचिता सुनिश्चित की जा सकती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. (a) जब लोक प्रशासकों पर नियंत्रण कमज़ोर होता है तथा राजनीतिक कार्यकारिणी एवं नौकरशाही के मध्य शक्ति का वितरण अस्पष्ट होता है तो भ्रष्टाचार की गुंजाइश बढ़ जाती है। सिद्ध कीजिये। (150 शब्द) 10

The scope for corruption increases when control on the public administrators is fragile and the division of power between political executive and bureaucracy is ambiguous. Justify. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

'अस्पष्टता' प्रशासन में दोष पैदा करती है; क्योंकि जब तक नियम, विनियमों में स्पष्टता नहीं होगी, उनके Loop hole का प्रयोग भ्रष्टाचार के लिए किया जायेगा।

राजनीतिक कार्यकारिणी एवं नौकरशाही में शक्ति का विभाजन -

नौकरशाही	राजनीतिक कार्यकारिणी
→ योजना क्रियान्वयन	→ योजना निर्माण
→ अनामिता का सिद्धांत	→ नामिता
→ स्थायित्व	→ अस्थायित्व

किन्तु जब इस तरह का स्पष्ट विभाजन नहीं होता उस स्थिति में दोनों के मध्य टकराव होगा और योजनाओं का क्रियान्वयन संभव

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

नहीं होगा। जो अंततः सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन का कारण बनेगा।

इसी पिछड़ेपन का लाभ उठाकर भ्रष्टाचार जैसी गतिविधियों को अंजाम दिया जायेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "हर साधन से अपनी संपत्ति अर्जित करो, परंतु यह समझो कि तुम्हारे द्वारा अर्जित धन तुम्हारा नहीं, समाज का है।" महात्मा गांधी के इस कथन का भारत में कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

"Earn your wealth by all means. But understand your wealth is not yours; it belongs to society." Analyse this statement of Mahatma Gandhi with reference to present state of corporate governance in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गांधी जी ने यह सिद्धांत ट्रस्टीशिप के संदर्भ में दिया ताकि मालिक वर्ग, मजदूर वर्ग का शोषण न करें तथा वर्ग समन्वय की अवधारणा लागू हो।

वर्तमान संदर्भ में देखे तो भारतीय कॉर्पोरेट शासन कुछ हद तक ही इस सिद्धांत का पालन कर रहा है।

कॉर्पोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी (CSR) के माध्यम से जनता के कल्याण हेतु- शिक्षा, स्वास्थ्य आदि कार्यक्रम चलाये जा रहे है। सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है कि लाभ का कम से कम 2% समाज कल्याण में खर्च करे।

किन्तु दूसरी ओर देखा जाये तो ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार भारत में आर्थिक विषमता लगातार बढ़ रही है। पिछले

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

वर्ष सृजित कुल पूँजी का 73% केवल 1% लोगो के पास है।

इस संदर्भ में देखा जाये तो कॉर्पोरेट सेक्टर समाज के धन का संचयन कर रहा है। साथ ही यह भी देखा गया है कि कॉर्पोरेट सेक्टर अवैध रूप से सरकारी टैक्स में बचत भी करता है।

इससे स्पष्ट है कि कॉर्पोरेट सेक्टर ट्रस्टीशिप के सिद्धांत को नहीं पालन कर रहा है किन्तु कुछ सकारात्मक कदम उठाये गये है जैसे बिल • गेट्स मेलिंडा गेट्स फाउण्डेशन की तर्ज पर अजीम प्रेमजी तथा अन्य व्यक्तियों ने अपनी सम्पत्ति दान की है।

टाटा ट्रस्ट महिलाओं की डिजिटल शिक्षा के लिए कार्यकर रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. (a) सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम एक पथ प्रदर्शक विधान है, जो गोपनीयता के अंधकार से पारदर्शिता के युग में प्रवेश का संकेत देता है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The Right to Information (RTI) Act is a path-breaking legislation which signals the march from darkness of secrecy to the dawn of transparency. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

सूचना का अधिकार अधिनियम द्वारा लोगो को जानने का अधिकार प्रदान किया गया ताकि वे सरकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त कर सकें।

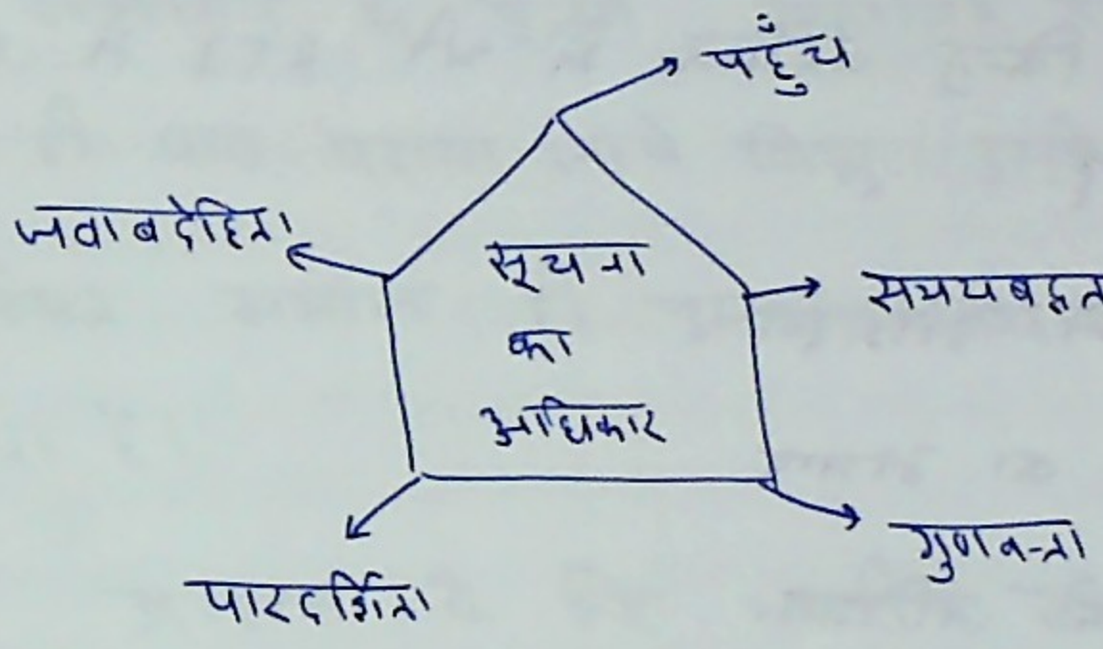

सूचना का अधिकार सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता तो लाता ही है. साथ ही संबित सेवकों को जवाबदेही भी बनाता है।

इस अधिनियम से पूर्व योजनाओं में हो रहे भ्रष्टाचार, * अनियमितताओं की जानकारी दर्शित नहीं की जा सकती थी किन्तु वर्तमान में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस अधिनियम द्वारा ये अनियमितताओं उजागर हो जाती हैं।

इस अधिनियम से पूर्व सिविल सेवक गोपनीयता के आग्रह से ग्रस्त थे। नियमों के मकड़जाल में उलझा कर भ्रष्ट आचरण करते थे किन्तु अब उन्हे हर कार्य को जनता के समक्ष प्रस्तुत करना होता है।

किन्तु वर्तमान में भी RTI में कई समस्याएँ है-

→ जनता में अशिक्षा
→ जागरूकता का अभाव
→ नियमों की जटिलता
→ सूचनाओं की प्राप्ति में समय अधिक लगना।

किन्तु इन सबके बावजूद RTI Act एक आशातीत परिवर्तनकारी है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) प्रशासनिक व्यवहार समाज की सामान्य संस्कृति की एक उप-संस्कृति है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The administrative culture is a sub-culture of the common culture of the society. Critically examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रत्येक मनुष्य सामाजिक प्रक्रिया का ही उत्पाद है। वह समाजीकरण के क्रम में सीखे गये व्यवहार को ही प्रदर्शित करता है।

वस्तुतः प्रशासन में आने के पश्चात् उसे संविधान के मूल्यों, सामाजिक दायित्वों का भले ही पाठ पढ़ाया जाये किन्तु उसके अन्दर उपस्थित समाज ही उसका व्यवहार निर्धारित करता है।

उदाहरण के लिए भारतीय समाज में ट्रांसजेंडर के प्रति यदि नकारात्मक व्यवहार किया जाता है, तो कोई व्यक्ति जो प्रशासन में आता है वह संभवतः इससे प्रभावित है।

किन्तु सर्वदा ऐसा ही हो यह आवश्यक नहीं है, कई बार समाज के अभिजात्य कहे जाने वाले समाज से संबंधित प्रशासनिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अधिकारी भी a किसी निम्न जातीय व्यक्ति के प्रति उतनी अधिक सहृदयता से व्यवहार करता है, जितनी अपेक्षा होती है।

एक अच्छी प्रशासनिक संस्कृति के लिए आवश्यक है कि समाज व्यक्ति को उन गुणों की शिक्षा दे, जो समाज के प्रति उसके दायित्वों का बोध कराये।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. (a) निगमित (कॉर्पोरेट) सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं है बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Corporate Social Responsibility (CSR) is not just a social responsibility but a moral obligation too. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार कार्पोरेट सेक्टर को 2% लाभांश सामाजिक क्षेत्र पर खर्च करना अनिवार्य है।

चूंकि कॉर्पोरेट सेक्टर द्वारा अर्जित धन इसी समाज की देन है साथ ही उसमें कार्यरत कर्मचारियों के सामाजिक मूल्यों के विकास में समाज ने एक महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई है।

कार्पोरेट सेक्टर सामाजिक अवसंरचना का उपयोग तो करता ही है साथ ही समाज के लिए बनाई गई भौतिक अवसंरचना का भी उपयोग करता है।

वह पर्यावरण में प्रदूषण को मुक्त कर पर्यावरण के निम्नीकरण को बढ़ाता है, तो साथ ही उसका प्रभाव सामान्य जनता पर भी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

पड़ता है।

उदाहरण के लिए ONGC द्वारा उत्पादित तेल के दहन से पर्यावरण प्रदूषण होता है तथा उसका मानव पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अतः उसकी यह जिम्मेदारी है कि वह समाज में उसके प्रभाव को कम करने के लिए प्रयास करे।

सारांशतः कहा जा सकता है कि CSR न केवल सामाजिक बल्कि नैतिक एवं पर्यावरणीय दायित्व भी है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) लोक सेवा वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार की जाँच तथा पारदर्शिता बढ़ाने के लिये ई-शासन महत्त्वपूर्ण है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

e- Governance is vital for checking corruption and enhancing transparency in the public service delivery system. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किसी भी शासन में जनता तक सूचनाओं की पहुँच भ्रष्टाचार को कम करने तथा पारदर्शिता को बढ़ाने में सहायक होती है।

ई-गवर्नेंस के द्वारा शासन में भ्रष्टाचार एवं पारदर्शिता निम्न प्रकार बढ़ाई जा सकती है।

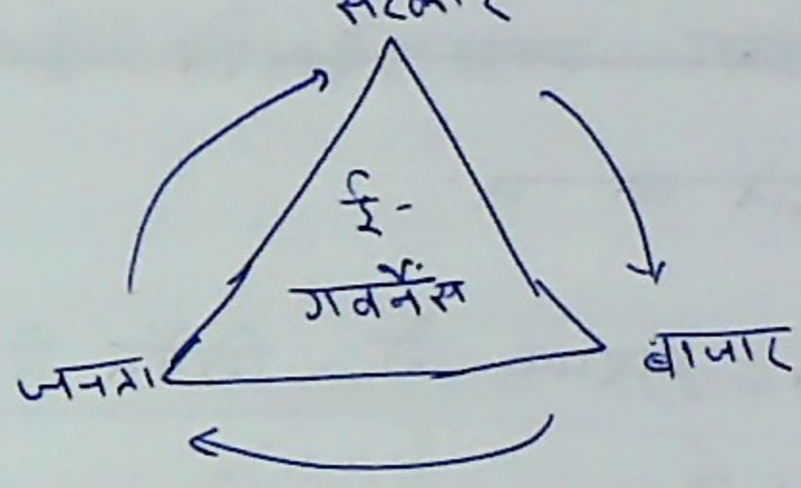

→ ई-गवर्नेंस से शासन के तीनों आधारों के मध्य सूचनाओं का अबाध प्रवाह होता है।

→ G2C के द्वारा सरकार जनता के फीडबैक के अनुसार नीतियों का निर्धारण एवं क्रियान्वयन करती है, जिससे वास्तविक लाभ मिलता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

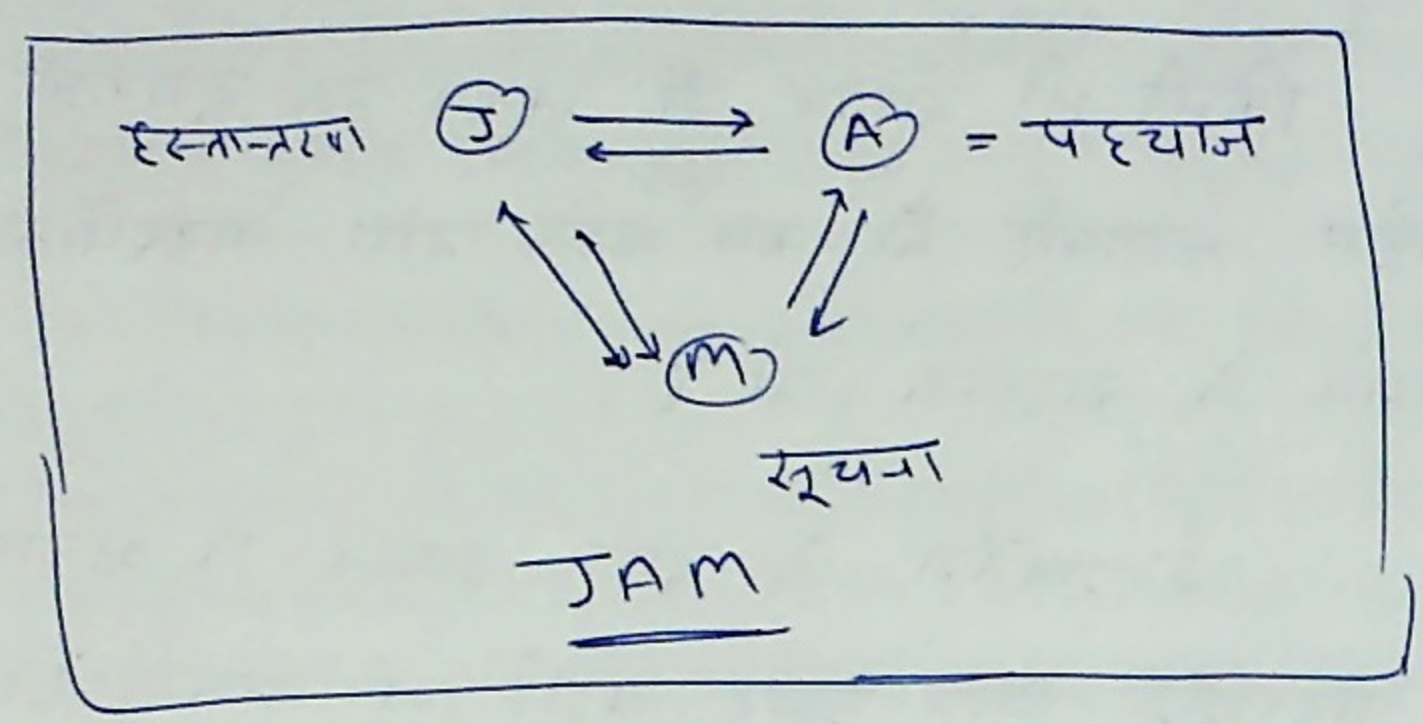

→ G2C के द्वारा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर द्वारा लीकेज को रोका जा सकता है।

~~इस प्रकार स्पष्ट है कि ई-गवर्नेंस पारदर्शिता बढ़ाने का म.~~

→ ई-गवर्नेंस के माध्यम से ग्रिवेंस रिड्रेसल सिस्टम में तेजी आती है, जिससे शिकायतों का त्वरित निस्तारण होता है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि ई-गवर्नेंस पारदर्शिता लाने का महत्वपूर्ण साधन है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. 'अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में मूल मुद्दा यह है कि किसी एक के हितों के साथ दूसरे के मूल्यों का मिलान कैसे किया जाए।' विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

A basic issue in international relations is how to reconcile one's interests with values one professes. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की विशेषता है - विविधता। अर्थात् प्रत्येक राष्ट्र के अपने निहित हित होते है, जिनसे समझौता किये बिना उनसे संबंध स्थापित किया जाता है।

उदाहरण के लिए भारतीय विदेश नीति की बहुआयामी प्रकृति -

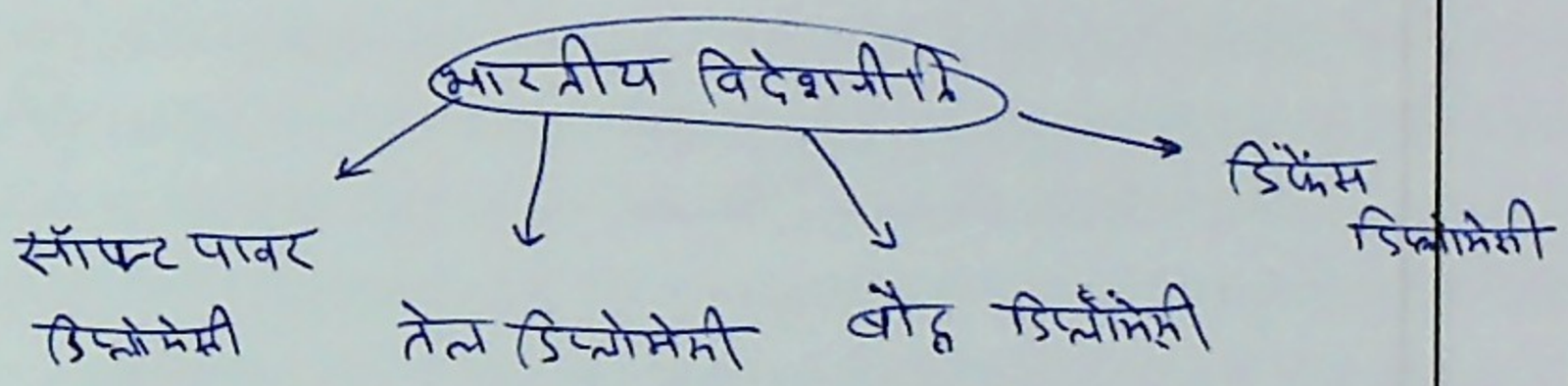

चूंकि किसी राष्ट्र के विभिन्न राष्ट्रों के साथ भिन्न संबंध होते है। जैसे - भारत का अमेरिका के साथ रक्षा उपकरणों की निर्भरता है। तो ईरान के साथ तेल आयात संबंधी निर्भरता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

ऐसे में जब अमेरिका एवं ईरान में टकराव होगा तब भारत दोनों हितों को किस तरह साधेगा।

किन्तु विविधतापूर्ण तथा डिप्लोमेसी तथा द्विपक्षीय वार्ता द्वारा इस समस्या का निदान किया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. लोक सेवा के संदर्भ में निम्नलिखित पदों की प्रासंगिकता का उदाहरण सहित परीक्षण कीजिये: (150 शब्द) 10

Examine the relevance of the following in the context of civil service by citing relevant examples: (150 words) 10

(a) लक्ष्य के प्रति सत्यनिष्ठा

Honesty of purpose

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

7. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिये क्या अर्थ है?

What do each of the following quotations mean to you in the present context?

(a) "न्याय-परायणता शांति तथा सुशासन की आधारशिला है।" -कन्फ्यूशियस (150 शब्द) 10

"Righteousness is the foundation stone of peace and good governance." – Confucius (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

स्वतंत्र न्यायपालिका को शासन का मूल माना जाता है क्योंकि न्यायपालिका शासन में निहित टकरावों तथा विरोधों का समाधान कर शांति की स्थापना करती है।

किन्तु न्यायपालिका निष्पक्ष नहीं है, तब न्याय का सटीक होना संदिग्ध होता है, ऐसे में विपक्षी वर्ग द्वारा विरोध करना शांति एवं सुशासन दोनो में बाधक है।

मोंटेस्क्यू ने शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत को स्पष्ट करते हुये यह कहा था कि एक हाथ में शक्ति का केन्द्रीकरण न्याय को सर्वाधिक प्रभावित करता है।

उदाहरण के लिए म्यांमार में रोहिंग्या मुस्लिमो के प्रति हिंसा के बावजूद वहाँ की न्यायपालिका ने सही निर्णय नहीं देने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के कारण सम्पूर्ण क्षेत्र अस्थिर हो गया।

गलत पक्ष का साथ देने पर वह अधिक मजबूत होकर भी गलती करेगा, जिससे भविष्य में भी समस्या उत्पन्न होती है।

उदाहरण के लिए द्वितीय विश्व युद्ध से पहले ब्रिटेन, अमेरिका द्वारा हिटलर की गलतियों के प्रति तुष्टीकरण अपनाना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "मैं लोकतंत्र को ऐसी वस्तु के रूप में समझता हूँ, जो कमज़ोर को भी मज़बूत के समान ही मौका देती है।" - महात्मा गाँधी (150 शब्द) 10

"I understand democracy as something that gives the weak the same chance as the strong." – Mahatma Gandhi (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

लोकतंत्र का महत्व बताते हुये डा अंबेडकर ने कहा था।

1 व्यक्ति = 1 मत = सबका मत

उक्त कथन लोकतंत्र की महत्ता को प्रदर्शित करता है।

लोकतंत्र व्यक्ति को चयन का अधिकार प्रदान करता है, जिससे वह अपने सम्पूर्ण विकास को प्राप्त कर सकता है।

उदाहरण के लिए अनेक ऐसे सांसद चुनकर आते है, जो कोई विशेष योग्यता एवं धन नहीं रखते किन्तु लोकतंत्र में उनका विश्वास तथा जन कल्याण की भावना उन्हे मजबूती का आधार प्रदान करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) "बिना हृदय को शिक्षित किये मस्तिष्क को शिक्षित करना, कोई शिक्षा नहीं है।" -अरस्तू (150 शब्द) 10

"Educating the mind without educating the heart is no education at all". –Aristotle (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must n write on this marg

अरस्तू का यह कथन गंभीर अर्थ समेटे हुये है क्योंकि ज्ञान का होना ही काफी नहीं है बल्कि उसका संवेदनात्मक ज्ञान एवं ज्ञानात्मक संवेदना में रूपान्तरण आवश्यक है।

वर्तमान विश्व में देखा जाये तो अधिकांश आतंकवादी उच्च तकनीकी शिक्षा प्राप्त है किन्तु उनमें संवेदना का निम्न स्तर उन्हे उनको मानवता के विरुद्ध खड़ा कर देता है।

साथ ही वर्तमान में देखा जाये तो किसी दुर्घटना स्थल पर पीड़ित की मदद की बजाय वीडियोग्राफी करना इसी संवेदना रहित ज्ञान का उदाहरण है।

अतः आवश्यक है कि बचपन से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

ही संवेदना का विकास किया जाये। सहिष्णुता, समानता, सहानुभूति जैसे गुणों का विकास ही शान को उपयोगी बना सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड - ख/ SECTION - B

8. आदिवासी, समाज की मुख्य धारा से अलग रहने वाले लोग हैं, जो अपनी विशिष्ट संस्कृति एवं रहन-सहन के लिये जाने जाते हैं। ये हमेशा से आकर्षण के केंद्र रहे हैं। न केवल देशी बल्कि विदेशी पर्यटक भी इनकी संस्कृति को जानने के लिये उत्सुक रहते हैं। सरकार द्वारा कानून बनाकर इनकी स्वायत्तता को सुनिश्चित किया गया है। इस कानून के अनुसार, कोई भी व्यक्ति आदिवासियों के वासस्थल पर नहीं जा सकता है, किंतु स्थानीय मछुआरों द्वारा अवैध तरीके से विदेशियों से अधिक पैसा लेकर उन्हें आदिवासियों के क्षेत्रों में पहुँचाया जाता है। कुछ धर्म प्रचारक भी वहाँ अपने धर्म का प्रचार करने का प्रयास कर रहे हैं। यह मामला प्रकाश में तब आया, जब एक विदेशी व्यक्ति की आदिवासियों द्वारा हत्या कर दी गई, जिसने अवैध तरीके से आदिवासियों के इलाके में प्रवेश किया था।

इस संदर्भ में सरकार द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एक टीम गठित की गई है। आदिवासी मामलों के जानकार होने के नाते आपको उस टीम का नेतृत्व दिया गया है, जिसे कानून के उल्लंघन की जाँच एवं इन अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के प्रति अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी है। इस समस्या के संदर्भ में उठाए गए तात्कालिक और दीर्घकालिक कदमों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 20

Tribals are people living separately from mainstream society, who are known for their distinct culture and lifestyle. They are always the centre of attraction. Not only native but also foreign tourists are eager to know about their culture. Their autonomy has been ensured by the Government by enacting a law. According to this law, nobody can go to the homestead of the tribals. But foreign tourists are illegally charged exorbitantly and are taken to tribal areas by the local fishermen. Also, some religious preachers are trying to propagate their religion. The matter came to light when a foreigner, who had illegally entered the tribal area, was murdered by tribals.

A team has been formed through quick action of the government in this connection. As an expert in tribal affairs, you have been given the leadership of the team, which has to investigate violations of law and recommend disciplinary action against those indulging in these illegal activities. Suggest the immediate and long-term steps that can be taken with respect to this problem. (250 words) 20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आदिवासी समाज को भारतीय संविधान में विशिष्टता प्रदान की गई है, उनकी निजता को सुरक्षित रखने के लिए अनेक कानूनों जैसे पूर्वोत्तर में परमिट की अनिवार्यता आदि सुनिश्चित किये गए है। ऐसे में उपर्युक्त ~~वर्तमान~~ स्थिति एक गंभीर संवैधानिक एवं वैधानिक उल्लंघन को दर्शाती है।

निहित मुद्दे :-

(क) आदिवासियों की निजता बनाम भ्रष्टाचार

(ख) कानूनों का उल्लंघन

(ग) जीवन के अधिकार का उल्लंघन

तात्कालिक कदम :

→ चूंकि अवैध रूप से प्रविष्ट व्यक्ति ने कानून का उल्लंघन किया था, अतः उसकी हत्या के लिए आदिवासी दोषी नहीं है। ऐसे में मैं तत्काल कार्यवाही के लिए निम्न उपाय सुझाऊंगा -

सर्वप्रथम प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश की मनाही संबंधित नोटिस को ऐसे स्थान पर स्थापित करने की सलाह दूँगा ताकि सभी पर्यटक उसे पढ़ सकें एवं उल्लंघन के दुष्परिणामों से भी अवगत कराया जाये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ दूसरे उपाय के रूप में मधुआरों के साथ चर्चा कर नियमों का उल्लंघन करने वाले मधुआरों के खिलाफ भविष्य में कठोर कार्यवाही की चेतावनी दूँगा।

→ एक जाँच समिति गठित कर दोषियों को पकड़ने ~~का कार्य करने की सलाह~~ तथा उचित दंड देने की सिफारिश करूँगा ताकि उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जा सके।

→ टीम के विश्वसनीय सदस्य को नकली पर्यटक बनाकर भेजने तथा मधुआरों की कार्यप्रणाली की निगरानी संबंधी जानकारी लाने की सलाह दूँगा।

दीर्घकालिक कदम :-

→ दीर्घकालिक कदम के रूप में भारत में प्रवेश करने वाले पर्यटकों को प्रतिबंधित क्षेत्रों की जानकारी आगमन पर ही प्रदान करने की सलाह दूँगा ताकि वे गुमराह होकर ऐसे कृत्यों से बचें।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this mar

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ मछुआरों की आय की कमी उन्हें इस प्रकार की गतिविधियों के लिए आकर्षित करती है। अतः उनकी आय में वृद्धि के वैकल्पिक स्रोत ~~सुझाव~~ ढूंढने का आग्रह करूँगा।

→ इस तरह की सूचनाएँ प्रदान करने वाले मछुआरों को पुरस्कृत करने की योजना पर विचार करने की सलाह दूँगा।

→ चूंकि वर्तमान में अधिकांश जनजातियों से भारत सरकार सम्पर्क स्थापित कर चुकी है, केवल सेंटेनलीज को छोड़कर। अतः उनसे सम्पर्क स्थापित करने का प्रयास जारी रखना चाहिए ताकि ~~जनजा~~ उस जनजाति को विलुप्ति से बचाया जा सके।

सारांशतः मैं तात्कालिक रूप से कठोर दंडात्मक कार्यवाही तथा दीर्घकालिक रूप से समस्या के कारणों की समाप्ति पर बल दूँगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. लोकसेवकों का यह कर्त्तव्य है कि लोगों की सेवा ईमानदारी, सत्यनिष्ठा एवं ज़िम्मेदारी के साथ करें। लोकसेवकों में इन्हीं मूल्यों को अंतर्निविष्ट करने के लिये सिविल सेवा परीक्षा के पाठ्यक्रम में भी नीतिशास्त्र विषय को शामिल किया गया है। इसके साथ ही प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त गतिविधियों के माध्यम से सिविल सेवकों को इसके लिये तैयार किया जाता है। इसके बावजूद सेवा में शामिल होने के पश्चात् कई लोकसेवकों को नैतिक पथ से विचलित होकर अवैध एवं भ्रष्ट व्यवहार में संलिप्त होते हुए देखा गया है। लोकसेवकों में बढ़ती हुई इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये कार्मिक मंत्रालय द्वारा एक बोर्ड का गठन किया गया है तथा एक वरिष्ठ लोकसेवक होने के नाते आपको उसका चेयरमैन बनाया गया है। इसी दौरान जाँच एजेंसियों द्वारा एक लोकसेवक के अवैध भू-आवंटन से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में संलिप्त होने की पुष्टि की गई। लोकसेवा की आड़ में करोड़ों की व्यक्तिगत संपत्ति का संग्रह करना लोकसेवकों के नैतिक पतन का परिचायक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लोकसेवकों में उभरती हुई इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रयास किये गए हैं? इस समस्या के संदर्भ में आप क्या उपाय सुझाएंगे? (250 शब्द) 20

It is the duty of the public servants to serve the people with honesty, integrity and responsibility. Ethics has also been incorporated in the syllabus of civil services examination to inculcate these values in public servants. Also, civil servants are prepared for the same through additional activities during training. Despite this, many public servants after joining the service have been found deviating from the moral path and indulging in illicit and corrupt practices. A board has been constituted by the Ministry of personnel to check this growing trend in public servants. As a senior public servant, you have been made its Chairman. Meanwhile, a public servant was confirmed to be involved in the corruption related to illegal land allotment by the investigating agencies. The embezzlement of millions in personal property under the guise of public service is a reflection of the moral decay of public servants.

What efforts have been made by the Government to check this rising trend in public servants? What measures will you suggest in the context of this problem? (250 words) 20

लोकसेवाओं को भारतीय लोकतंत्र का इस्पाती ढाँचा कहा जाता है, क्योंकि ब्रिटिश काल से ही ये सेवाएँ अपनी अनुशासनात्मकता, जवाबदेहिता एवं निष्पक्षता को दर्शाती रही है।

सिविल सेवाओं में बढ़ता भ्रष्टाचार अवश्य ही एक चिंताजनक विषय है क्योंकि गांधी के अनुसार सिरे के अंतिम व्यक्ति तक योजना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

का लाभ पहुँचाने की जिम्मेदारी इन्ही की होती है।

इस प्रवृत्ति के उभरने के कारण

→ उपभोक्तावादी संस्कृति का लगातार बढ़ता प्रभाव।

→ सिविल सेवा के आधारभूत मूल्यों सत्यनिष्ठा, जवाबदेहिता, निष्पक्षता आदि की कमी।

→ राजनीतिक संरक्षण

→ संवैधानिक संरक्षण

(A) इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाये गये प्रयास :-

→ सरकार द्वारा योजनाओं में पारदर्शिता के लिए सोशल ऑडिटिंग की व्यवस्था की है।

→ भ्रष्ट प्रवृत्तियों के सिविल सेवकों की जबरन सेवानिवृत्ति की जा रही है।

→ ~~सिविल सेवकों में संवेदनशीलता लाने के लिए~~

→ भ्रष्टाचार रोधी अधिनियम।

→ सिटिजन चार्टर।

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mus
write on this ma

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ सूचना का अधिकार अधिनियम (RTI)

(B) मेरे द्वारा सुझाये गये उपाय :-

→ सबसे पहले समस्या के केन्द्र में जाकर मूल कारण की खोज करना है। इसके पश्चात् सिविल सेवकों को गांधी के विचार - "कि तुम्हारे द्वारा उठाये गये कदम से जो सबसे निर्धन है, उसका कल्याण होगा या नहीं।" का पाठ पढ़ना।

→ जनता को जागरूक करने की आवश्यकता है ताकि सिविल सेवक जिम्मेदार रहें। इसके लिए मैं सिविल सोसायटी एवं NGO की मदद लेने की सलाह दूँगा।

→ वर्तमान सिविल सेवक 'अनामिता के सिद्धांत' को भूल रहे हैं. उन्हें यह गुण याद दिलाये जाने के लिए पूर्व सर्वश्रेष्ठ सिविल सेवकों के बारे में तथा उनके कार्यों के संदर्भ में पढ़ाये जाने की सलाह दूँगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ नैतिकता एक ऐसा गुण है, जो बच्चे में बचपन से विकसित होता है, अतः भविष्य के सिविल सेवकों में नैतिकता का विकास हो सके उसके लिए विद्यालय तथा माता-पिता का सहयोग अपेक्षित है। डॉ. कलाम के शब्दो में- "किसी राष्ट्र को महान बनाना है, तो माता-पिता एवं शिक्षकों को आगे आना होगा।

→ संवेदनशीलता का विकास करने के लिए समय समय पर ऐसे क्षेत्रों का दौरा कराना, जहाँ विकास की वंचना है।

→ साथ ही मैं सलाह दूंगा कि वे संविधान के उपबंधो का गलत लाभ लेने वाले सिविल सेवकों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही द्वारा उदाहरण प्रस्तुत करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. आप एक ईमानदार एवं कर्त्तव्यनिष्ठ लोकसेवक हैं। ज़िलाधिकारी के तौर पर आपकी नियुक्ति एक ऐसे क्षेत्र में हुई है जो धार्मिक मामले में अत्यंत संवेदनशील है। उस जिले में एक अत्यंत प्राचीन धार्मिक स्थल अवस्थित है, जहाँ एक धार्मिक मान्यता के कारण कम आयु वर्ग की महिलाएँ आज तक प्रवेश नहीं पा सकी हैं। यह निःसंदेह एक नागरिक के तौर पर महिलाओं को संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। महिलाओं के हित में कार्य करने वाली एक संस्था ने देश के सर्वोच्च न्यायालय में उक्त भेदभाव को समाप्त करने से संबंधित याचिका दायर की, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने महिलाओं के पक्ष में निर्णय देते हुए धर्मस्थल पर उनके प्रवेश निषेध को समाप्त करने हेतु सरकार को आदेश दिया है। ज़िला स्तर पर इसका अनुपालन कराने की ज़िम्मेदारी आपको दी गई है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का कुछ धार्मिक समूहों– श्राइन बोर्ड (Shrine Board) के साथ-साथ आम लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है, जिन्हें कुछ राजनीतिक दलों का सहयोग भी प्राप्त है। उनका तर्क है कि संविधान द्वारा धार्मिक मामलों में उन्हें स्वतंत्रता प्रदान की गई है। ऐसे में कुछ महिलाएँ जो धर्मस्थल में प्रवेश का प्रयास कर रही थीं, उनको अन्य भक्तों द्वारा रोक दिया गया एवं उनके साथ बदसलूकी भी की गई और यह घोषित कर दिया गया कि जो भी महिला ऐसा करने का प्रयास करेगी, उसका खामियाज़ा उसे भुगतना होगा। ऐसे में उन महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठता है।

(a) इस प्रकरण में अंतर्निहित नैतिक मुद्दों को स्पष्ट कीजिये।

(b) इस स्थिति में आपके समक्ष उपस्थित विकल्पों को बताते हुए उनके गुण-दोषों की चर्चा कीजिये और बताएँ कि आप किस विकल्प का चयन करेंगे? (250 शब्द) 20

You are an honest and conscientious public servant. Your appointment as a district officer has been in a region that is highly sensitive to religious matters. A very ancient religious place is located in the district where women in the lower age group have not been able to enter till today due to religious beliefs. It is, of course, a violation of the fundamental rights provided by the Constitution to women as citizens. An institution working for women's welfare filed a petition in the Supreme Court of the country to end the discrimination on which the Court, by giving a judgment in favour of women, has ordered the government to end the prohibition of admission to the shrine. You have been given the responsibility of complying with the order at the district level. The Supreme Court judgement is being opposed by some religious groups, shrine board as well as by the common people who are also being encouraged by some political parties. Their argument is that they have got freedom by the Constitution in religious matters. Some women who were trying to enter the shrine were stopped and mistreated by other devotees and it was declared that women who tried to do so will have to suffer the consequences. In this situation, the issue of safety of such women has arisen.

(a) Explain the underlying ethical issues in this episode.

(b) In this case, discuss the options available to you mentioning the merits and demerits of each option. What option will you choose and why? (250 words) 20

उम्मीदवार को
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mu
write on this m

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

महिलाओं के साथ इस तरह का भेदभाव उनके संवैधानिक अधिकारो अनुच्छेद 14, अनुच्छेद 15 तथा अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है।

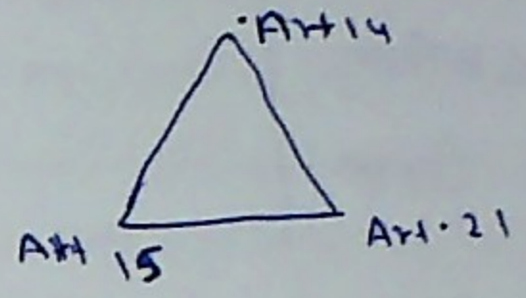

(A) निहित नैतिक मुद्दे :-

(i) जीवन का अधिकार बनाम धार्मिक अधिकार।

(ii) न्यायपालिका की अवमानना।

(iii) ~~संविधान~~ संवैधानिक मान्यता बनाम सामाजिक रूढ़िवादिता

(i) प्रश्न प्रकरण में महिलाओं के जीवन के अधिकार का उल्लंघन किया है क्योंकि धमकी दी जा रही है वहीं संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता का मामला भी निहित है।

(ii) SC के निर्णय की अवमानना एक कानूनन अपराध है।

(iii) संवैधानिक उपबंध विस्तृत राष्ट्र को संदर्भित करती है जबकि उक्त मुद्दा क्षेत्रीय रूढ़िवाद को।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शेयर धारक :-

→ सुप्रीम कोर्ट

→ सरकार

→ महिलाएँ

→ मंदिर प्रशासन

→ विरोध करने वाले लोग

(B) मेरे समक्ष उपस्थित विकल्प

(i) सुप्रीमकोर्ट का आदेश मानते हुये पुलिस बल का प्रयोग कर महिलाओं को प्रवेश दिलाना।

गुण	दोष
→ इससे महिलाओं के प्रति भेदभाव की परम्परा समाप्त होगी।	→ उग्र भीड़ द्वारा किसी नकारात्मक घटना को अंजाम दिया जा सकता है।
→ SC के निर्णय की अवमानना नहीं होगी।	→ प्रवेश करने वाली महिलाओं के साथ बाद में हिंसा हो सकती है।

(ii) सुप्रीम कोर्ट तथा सरकार के समक्ष ऐसा करने की असमर्थता जताना -

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

गुण	दोष
→ इससे संभावित हिंसा को टाला जा सकेगा।	→ महिलाओं के अधिकारों के उल्लंघन करने वालों का मनोबल बढ़ेगा, जो इस प्रवृत्ति को बनाये रखेगा।

(iii) अवकाश पर चला जाऊँ :-

गुण	दोष
→ इससे मैं उपर्युक्त जिम्मेदारी तथा मेरे प्रति लोगों के आक्रोश से बच जाऊँगा।	→ यह एक समस्या से भागने की प्रवृत्ति है, जो समस्या को स्थायित्व प्रदान करती है।

उक्त विकल्पों में से मैं प्रथम विकल्प का चयन करूँगा किन्तु उसे ज्यों का त्यों अपनाने की बजाय कुछ ~~संशो~~ संशोधन के साथ-

(a) SC से कुछ दिन का समय माँगने का प्रयास करूँगा ताकि लोगों को समझाने का प्रयास कर सकूँ।

(b) इसी दौरान मंदिर में पुलिस बलों को उचित स्थान पर आने का समय मिल सकेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must [not] write on this ma[rgin])

~~यदि~~
(c) साथ ही मैं महिला प्रतिनिधि से भी वार्ता करके उन्हें फिलहाल कुछ दिन के लिए सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस निगरानी में भेज दूँगा।

यदि वार्ता से मामला शांत हो जाता है, तो महिलाओं को प्रवेश दिलाने का प्रयास करूँगा अन्यथा विरोधियो के प्रतिनिधियों को गिरफ्तार कर महिलाओं को प्रवेश दिलाने तथा उनकी सकुशल वापसी सुनिश्चित करूँगा। साथ ही NGO तथा अन्य माध्यमों से जनता की अभिवृत्ति परिवर्तन की कोशिश करूँगा।

साथ ही मैं विरोधियों को 1920 के दशक के मंदिर प्रवेश आन्दोलन के दौरान हुये विरोध को भी याद दिलाने की कोशिश करूँगा क्योंकि भेदभाव तब और अब दोनो स्थितियों में अमानवीय है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. खेल मानव जीवन में सिर्फ मनोरंजन के साधन न होकर आत्म-नियंत्रण, सद्गुण, सहिष्णुता, सत्यनिष्ठा तथा सामाजिक शिष्टता के प्रभावी स्रोत भी होते हैं, किंतु खेल 'निष्पक्ष व्यवहार' तथा 'समान अवसर' प्रदान करने वाली भावना को तभी आगे बढ़ा सकते हैं जब खेलों में खेल नैतिकता से जुड़े मूल्यों को संवर्द्धित किया जाए तथा खेल से जुड़े लोगों द्वारा इन मूल्यों को आत्मसात् किया जाए। हाल में मीडिया में कुछ ऐसे प्रकरण सामने आए हैं, जिनमें खेल से जुड़े कुछ प्रमुख व्यक्तित्वों द्वारा विवादित टिप्पणी करना न केवल खेल भावना एवं खेल नैतिकता का अपमान है बल्कि सामाजिक दायित्वों की भी उपेक्षा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आप एक खेल विनियामक संस्था के प्रमुख हैं तथा आपको उपर्युक्त प्रकरण को ध्यान में रखते हुए खेल नैतिकता में आई इस तरह की गिरावट को दूर करने के लिये आवश्यक सुझाव देने के लिये कहा गया है। इन परिस्थितियों में आप क्या सुझाव देंगे? (250 शब्द) 20

Sports are also an effective source of self-control, virtue, tolerance, integrity and social decency and not just means of recreation in human life. But sports can promote the spirit of 'fair behaviour' and 'equal opportunities' only if games incorporate the moral values and people associated with sports inculcate these values. Recently, there has been some mention in the media where certain prominent sports personalities are giving controversial comments. It is not only insulting to the sporting spirit and sports ethics but also disregards social obligations.

You are the head of a sports regulatory body and you have been asked to give necessary suggestions to rectify decline in sports ethics keeping in view the above mentioned case. What would you suggest in these circumstances? (250 words) 20

खेल व्यक्ति को नैतिक गुणों से युक्त करता है किन्तु कभी-कभी खिलाड़ी इन गुणों से विचलित हो जाते हैं। उदाहरण के लिए हाल ही में क्रिकेट खिलाड़ियों द्वारा महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करना।

नैतिक मुद्दे

(i) खेल नैतिकता का अवमूल्यन।

(ii) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम सामाजिक दायित्व।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये। (Candidate must ... write on this mar...

इस स्थिति में मैं तात्कालिक एवं दीर्घकालिक दोनों स्तर पर समाधान प्रस्तुत करने की कोशिश करूँगा।

तात्कालिक प्रयास

(i) जिन व्यक्तियों ने खेल नैतिकता का उल्लंघन किया है, उन्हें सर्वप्रथम टीम से बाहर कर एक जाँच समिति को मामला सौंपूगा।

(ii) मीडिया में जाकर मेरे द्वारा की जा रही कार्यवाही को सामने रखूँगा तथा मीडिया एवं जनता से रिपोर्ट आने तक धैर्य रखने की आग्रह करूँगा।

(iii) अन्य खिलाड़ियों को उक्त प्रकरण से परिचित कराकर भविष्य में इस तरह के कृत्यों से बचने की सलाह दूँगा।

(iv) रिपोर्ट आने पर खिलाड़ियों पर उचित कार्यवाही (as per law) करूँगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दीर्घकालिक उपाय

(i) खिलाड़ियों को खेल नैतिकता का ज्ञान समय-समय पर दिया जाये, यह सुनिश्चित करूँगा।

(ii) मीडिया के समक्ष जाने से पूर्व सूचित किया जाये यह निर्धारित करूँगा।

(iii) सामाजिक दायित्वों के प्रति खिलाड़ी सजग रहे इसके लिए आरंभिक स्तर से ही ~~xxx~~ प्रयास करने का प्रयास करूँगा ताकि संवेदनशीलता का विकास हो सके।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों में अवैध प्रवासन एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। इस मुद्दे के समाधान के लिये वर्तमान सरकार असम जैसे राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को अद्यतन बनाने का प्रयास कर रही है। इस प्रयास से अवैध प्रवासियों की पहचान हो सकेगी तथा वैध नागरिकों के लिये संसाधनों को सुरक्षित किया जा सकेगा और आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को भी कम किया जा सकेगा, किंतु राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के क्रियान्वयन के साथ कई नैतिक एवं विधिक चिंताएँ भी उभरती हैं तथा यह रजिस्टर प्रवासन की समस्या के एक सीमित पक्ष को ही संबोधित करने में सक्षम है। आपको राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर से जुड़ी समस्याओं तथा अवैध प्रवासन की चुनौती से निपटने हेतु सलाह देने वाली समिति का अध्यक्ष बनाया गया है तथा आपसे यह अपेक्षा है कि आप अपने सुझावों में समस्या से जुड़े विषयों को समग्र रूप से संबोधित कीजिये।

उपर्युक्त परिस्थितियों में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के क्रियान्वयन से जुड़ी नैतिक चिंताओं को बताते हुए अपने द्वारा समस्या के समाधान हेतु प्रस्तुत किये जाने वाले नवीन उपायों की चर्चा कीजिये।

(250 शब्द) 20

Illegal migration has been a sensitive issue in the north-eastern states of India. To address this issue, the present Government is making efforts to update the National Register of Citizens in a state like Assam. This effort will enable identification of illegal migrants and secure resources for legitimate citizens and also address concerns related to internal security. But with the implementation of the National Register of Citizens, many ethical and legal concerns are emerging and this register is able to address only a limited aspect of the migration problem. You have been appointed as the Chairman of the Committee for dealing with problems related to the NRC and the challenge of illegal migration, and it is expected that in your suggestions, you should address issues related to the problem in totality.

In the above circumstances, mention the ethical concerns associated with the implementation of the National Register of Citizens and discuss the new measures that are proposed to be put in place by you to address the problem. (250 words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये।
(Candidate must ... write on this mar...

अवैध प्रवासन न केवल राष्ट्रीय संसाधनों पर दबाव डालता है बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा में भी बाधक है। साथ ही यह उस क्षेत्र की जनांकिकीय, सांस्कृतिक विशेषताओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उदाहरण के लिए- पूर्वोत्तर में बांग्लादेशी प्रवासी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(A) नैतिक चिंताएँ

(i) स्थानीय नागरिकों की समस्या को ध्यान में रखना ❀ प्राथमिक उद्देश्य हो या फिर किसी कारण से। जीविकोपार्जन के लिए आये अवैध प्रवासी।

(ii) मानवाधिकार को ध्यान में रखा जाये अथवा राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाये।

विधिक चिंता :-

(i) प्रवासियों के चयन के लिए किन-किन धारणाओं को महत्व दे।

(ii) यदि किसी स्थानीय नागरिक के पास वैध प्रमाण न हो, तब उस स्थिति में क्या किया जाये।

~~मेरे द्वारा सुझाये जाने वाले उपाय~~

(iii) प्रवासियों के चयन के बाद आगे क्या किया जाये।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this mar

मेरे द्वारा सुझाये गये उपाय :-

→ चूंकि प्रवासी अवैध रूप से आये है। अतः उन्हे किसी भी तरह के संसाधनों ~~पर नियंत्रण~~ के उपयोग का हक नहीं है, किन्तु हमारी पड़ोसी राज्यों से ऐसी कोई संधि नहीं है कि प्रवासियों को वापस भेजा जा सके।

→ ऐसे में प्रवासियों को जीविकोपार्जन के लिए ऐसे राज्यों में भेजा जाये जहाँ ~~जहाँ~~ उन्हे नियोजित किया जा सके। जैसे - राजस्थान ने स्वयं ऐसे कदम का स्वागत किया है।

→ प्रवासियों को अस्थाई प्रमाण पत्र दे तथा वोटिंग अधिकारों से वंचित करे। अस्थाई प्रमाण पत्र द्वारा निगरानी में रखा जाये ताकि राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलग्न न हो। हाल ही में रोहिंग्या प्रवासियों के संबंध राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में पाया गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दीर्घकाल में पड़ोसी राष्ट्रों से ऐसी संधि करे ताकि वापस भेजा जा सके। साथ ही पड़ोसी देशों को ऋण उपलब्ध कराये ताकि वहाँ विकास के अवसर पैदा हो तथा अवैध प्रवासन को रोका जा सके।

सीमा पर तारबंदी, निरन्तर पहरेदारी आदि उपायों के द्वारा भी इन्हें रोकने का प्रयास करना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. भारत में कभी 'रैट होल माइनिंग' तो कभी 'ओपन कास्ट माइनिंग' से जुड़ी बड़ी खनन आपदाएँ होती रही हैं। इन आपदाओं के पीछे भारत में होने वाला अवैज्ञानिक, अवैध तथा असुरक्षित खनन मुख्य कारण है। जब भी ऐसी आपदाएँ देश में चर्चा का केंद्र बनती हैं तो पदासीन सरकारें तथा प्रशासन तात्कालिक स्तर पर इसका समाधान भी कर देते हैं किंतु इस तरह की आपदाओं को रोकने हेतु सतत् समाधान के प्रति उदासीनता दिखाई पड़ती है, जिससे बार-बार ये आपदाएँ घटित होती हैं। ऐसी आपदाओं के बाद एक प्रशासकीय प्रवृत्ति यह भी देखी जाती है कि इसके लिये मुख्यतः सामान्य मानवीय मूल्यों को ही दोषी ठहराया जाता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में असुरक्षित खनन गतिविधियों को सरकार व प्रशासन की मौन सहमति तथा खनिकों (Miners) का इस ओर आकर्षण मुख्यतः राजस्व एवं रोजगार की प्राप्ति से जुड़ा हुआ है, किंतु इस प्रकार की गतिविधियाँ जनधन की व्यापक हानि तथा पर्यावरणीय अवनति को भी उत्पन्न करती है। अतः ऐसी आपदाओं को घटित होने से रोकने तथा घटित होने के पश्चात् इनका सामना करने की समग्र तैयारी होनी चाहिये।

(a) उपरोक्त प्रकरण में अंतर्निहित नैतिक मुद्दों को उद्घाटित कीजिये।

(b) एक सक्षम अधिकारी के रूप में आप कुछ ऐसी व्यावहारिक रणनीतियों की चर्चा कीजिये, जिससे ऐसी आपदाओं को रोका जा सके एवं इनका सामना किया जा सके। (250 शब्द) 20

From 'rat hole mining' to 'open cast mining', India has witnessed major mining disasters. The main reason behind these calamities is the unscientific, illegal and unsafe mining in India. As and when such disasters are in the news, the incumbent governments and administration address it at the immediate level. But there is indifference to providing sustainable solutions which frequently causes such disasters. After such calamities, an administrative tendency has also been observed which puts the blame on victims.

The tacit consensus of the government and administration to unsafe mining activities in India and the attraction of miners are mainly linked to revenue and employment realization. But such activities also lead to widespread loss to public exchequer and environmental degradation. Therefore, there should be a holistic preparedness to prevent such calamities and to comprehensively cope if they occur.

(a) Identify the underlying ethical issues in the above case.

(b) As a competent authority, discuss some of the feasible strategies to prevent and combat such calamities. (250 words) 20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this marg

इंदिरा गांधी का कथन - "गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।" सार्थक होता है क्योंकि गरीबी के कारण मजदूर जानते हुये भी इस तरह की गतिविधियों में लिप्त है।

(A) निहित मुद्दे :-

(i) गरीबी बनाम जीवन का अधिकार - मजदूर गरीबी के कारण इतना बड़ा जोखिम उठा रहे है।

(ii) अवैध कार्य बनाम जीवन का अधिकार → मजदूर जीविकोपार्जन के लिए अवैध कार्य के लिए भी मजबूर है।

(iii) पर्यावरणीय निम्नीकरण बनाम ~~जीवन~~ गरीबी

मजदूर गरीबी के कारण पर्यावरण को नुकसान पहुँचा रहे है।

(iv) प्रशासनिक अक्षमता बनाम अवैध खनन

अवैध खनन की प्रवृत्ति प्रशासनिक अक्षमता के कारण ही उभर रही है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(B) मैं इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए दीर्घकालिक एवं तात्कालिक दोनो स्तर पर कार्य करने के सुझाव दूँगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

तात्कालिक रणनीति :

→ पीड़ित परिवारो को तात्कालिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए।

→ को अन्य अवैध खनन गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही की जानी चाहिए।

→ मजदूरों के साथ वार्ता कर उन्हे इस तरह की घटनाओं के गंभीर परिणामों की पूर्व चेतावनी देनी चाहिए। इसके लिए तकनीकी (सिमुलेशन) का प्रयोग किया जाना बेहतर होगा।

दीर्घकालिक रणनीति.

→ सर्वप्रथम गरीबी पर प्रहार किये जाने की आवश्यकता है ताकि इस तरह की खतरनाक गतिविधियों की ओर आकर्षित होने से रोका जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must n[ot] write on this marg[in])

→ इस तरह के संवेदनशील क्षेत्रों में जियो टैगिंग, रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट के द्वारा निगरानी रखी जानी चाहिए।

→ NGO के माध्यम से मजदूरों को इसके परिणामों के संदर्भ में जागरूकता प्रदान की जानी चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation